नईया पर लगादे शाकम्भरी ए माई

ए मईया थारे से अरज लगाईं ,शाकम्भरी ए माई ,
बिगड़ी बनादे म्हारी मावड़ी , नईया पार लगादे म्हारी मावड़ी |

थारी महिमा शाकम्भरी माँ सारी दुनिया जाने ,
शक्ति थारी है बड़ी भारी , जग सारो पिचाने ,
तू ही रुद्राणी और ब्रम्हाणी , सकराय की हे महारानी ,
बिगड़ी बना दे म्हारी मावड़ी ,ओ नईया पार लगादे म्हारी मावड़ी |

दुर्गम को संहार कियो माँ,शाकम्भरी बन आयी ,
सहस्त्र नैनो से बरस्या आंसू,माँ सताक्षी कुहाई ,
ए मईया साँची तेरी सकलाई,शक्ति रे तेज सवाई ,
बिगड़ी बना दे म्हारी मावड़ी ,ओ नईया पार लगादे म्हारी मावड़ी |

एक सेठ की नांव भंवर में जब थी डूबन लागि ,
टेर सुनी माँ भगत की नईया पल में पार लगादी ,
म्हे भी बालक हाँ तेरा माई , थां बिन कुन होवे सहाई ,
बिगड़ी बना दे म्हारी मावड़ी ,ओ नईया पार लगादे म्हारी मावड़ी |

ए मईया थारे से अरज लगाईं ,शाकम्भरी ए माई ,
बिगड़ी बनादे म्हारी मावड़ी , नईया पर लगादे म्हारी मावड़ी |

भजन गायक - सौरभ मधुकर
संपर्क - 9830608619

स्वर : सौरभ मधुकर

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1507/title/naiya-paar-lagaade-mhari-maawdi-Shakambhari-mata-bhajan-with-Hindi-lyrics-by-Saurabh-Madhukar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |